प्रदेश सरकार की उपेक्षा से चीनी मिलें बंद : राधामोहन सिंह

मोतीपुर | एक संवाददाता

केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने शनिवार को मोतीपुर स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र में गुड़ उत्पादन केंद्र का उद्घाटन व गुड़ प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास किया। इसके बाद श्री सिंह ने कृषक परिचर्चा में किसानों को संबोधित किया। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की उपेक्षा के कारण बिहार की कई चीनी मिलें बंद हो गई हैं। मोतीपुर चीनी मिल बंद होने से क्षेत्र के गन्ना उत्पादकों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया।

श्री सिंह ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि केंद्र से सिंचाई के लिए राज्य सरकार को जो राशि भेजी गई, न तो उसे खर्च किया गया और न ही उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिया गया। राज्य सरकार केंद्र पर दोष लगाकर जनता को भ्रमित कर रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने बिहार राज्य के लिए गन्ना उत्पादन तकनीकी पत्रिका का विमोचन भी किया। उन्होंने बताया कि पत्रिका के माध्यम से किसानों को नई तकनीक व उन्नत खेती की जानकारी दी जायेगी।

परिचर्चा में लखनऊ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने मोतीपुर इकाई के किये जा रहे शोध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ गन्ना बीज उत्पादन के लिए कई तरह की परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान फसल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीक, बीज, बुआई विधि, पोषक तत्व प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, पोषक कीट, हानिकारक कीटों से बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि शोध व शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने की और संचालन उप महानिदेशक डॉ. जीत सिंह संधू ने की। मौके पर पारू विधायक अशोक सिंह, पीपरा विधायक श्यामबाबू प्रसाद यादव समेत डॉ. बीपी भट्ट, डॉ. एके साह, डॉ. एसएन सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. एसआई अनवर, डॉ. आरडी सिंह, डॉ. वीपी जायसवाल, डॉ. अरुण बैठा, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह, मणिभूषण शर्मा, विनोद राय, रंजीत तिवारी थे।

किया उद्घाटन

- मोतीपुर में खुला गुड़ उत्पादन केंद्र, प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास
- केंद्रीय मंत्री ने कहा, किसानों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र संकल्पित
- बिहार राज्य के लिए गन्ना उत्पादन तकनीकी पत्रिका का विमोचन किया

मोतीपुर में गुड़ उत्पादन केंद्र का उद्घाटन व गुड़ प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास करने के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह को अधिकारियों ने मोमेंटो भी भेंट किया।

किसानों की दुर्दशा के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार: राधामोहन

प्रतिनिधि ▸ मोतीपुर

बिहार सरकार की कमजोर इच्छा शक्ति के कारण यहां के किसानों की दशा दयनीय है. किसानों के लिए केंद्र सरकार से भेजी गयी राशि, राज्य सरकार खर्च नहीं कर पा रही है. केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने शुक्रवार को ये बातें कहीं. वे भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित कृषक परिचर्चा के उद्घाटन के बाद किसानों को संबोधित कर रहे थे.

मंत्री ने कहा कि कभी मोतीपुर चीनी उत्पादन के लिए पूरे देश में जाना जाता था. परंतु अब ऐसा नहीं. चीनी मिल बंद होने के कारण किसानों की हालत खास्ताहाल है. मुजफ्फरपुर ही नहीं बल्कि आस-पास के कई जिलों के किसान इससे प्रभावित हुए है. गन्ना की खेती और ईख वितरण पर संकट आ गया है. उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से किसानों की बेहतरी के लिये किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र में गुड़ निर्माण केंद्र व किसान भवन का शिलान्यास भी किया. साथ ही संस्थान की पत्रिका गन्ना उत्पादन तकनीक का विमोचन भी किया.

भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ के निदेशक डॉ ए डी पाठक अतिथियों का स्वागत किया.

उपमहानिदेशक डॉ जीत सिंह संधू ने मोतीपुर केंद्र में किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रकाश डाला. कहा कि चिनी मिल क्षेत्रों में केंद्र की ओर से उन्नत किस्म के स्वस्थ गन्ना बीज उत्पादन का प्रोजेक्ट चल रहा है. आशा के अनुरूप सफलता मिली है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ त्रिलोचन महापात्र ने किया. कार्यक्रम को पटना के निदेशक डॉ बी पी भट्ट, गन्ना शोध केंद्र लखनउ के वैज्ञानिक डॉ ए के साह, डॉ एस एन सिंह, डॉ ए के सिंह, डॉ एस आई अनवर, डॉ आर डी सिंह, डॉ वी पी जयसवाल, डॉ अरुण बैठा, आषुतोश मल्ल, आर के द्विवेदी, बी डी सिंह ने भी संबोधित किया. मौके पर भाजपा के प्रदेष उपाध्यक्ष रवीन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष अरविन्द सिंह, पारू के विधायक अशोक कुमार सिंह, पिपरा के विधायक श्यामबाबू राय, डॉ अरुण कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष तेजनारायण शर्मा, रंजीत तिवारी, उपेंद्र पासवान, केदार ओझा, भारत भूषण, बिनोद राय, शंभु मोहन प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

गन्ना अनुसंधान केंद्र में कृषक सम्मेलन

केंद्रीय मंत्री को मोमेंटो भेंट करते संस्थान के अधिकारी.

- कृषक परिचर्चा का केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह ने किया उद्घाटन
- मौके पर लगी कृषि प्रदर्शनी
- मंत्री ने किया गुड़ निर्माण केन्द्र का उद्घाटन व प्रशिक्षण भवन का शिलान्यास

किसानों की मजबूती से ही देश का विकास

मोतीपुर (मुजफ्फरपुर), संस : केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा है कि खेती ही देश को सुरक्षित कर सकती है। सिर्फ नारे लगाने से किसानों का विकास नहीं होगा। गांव और किसान की मजबूती से ही देश का विकास संभव है। भाषण से पेट नहीं भरता, हमें एक साथ मिलकर कदम बढ़ाना होगा। श्री सिंह शनिवार को मोतीपुर स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम शुद्ध रूप से किसानों के ज्ञान व तकनीक का कार्यक्रम है। मेरे मंत्री बनने से पहले इस संस्थान में कोई वैज्ञानिक नहीं था वहीं अब यहां अपर प्रधान वैज्ञानिक सहित तीन वैज्ञानिक कार्य कर रहे हैं। 25 वर्षों तक इस संस्थान की चिंता किसी ने नहीं की जबकि अब यहां दो तकनीकी अधिकारी भी नियुक्त हैं। इस अनुसंधान केंद्र से किसानों को ज्ञान मिलता है।

◆ मोतीपुर के भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा में मंत्री ने रखे विचार

बिहार का प्रदर्शन अच्छा नहीं

मंत्री ने कहा कि हमारे अधिकारी भारत सरकार की हर योजना को किसानों तक पहुंचा रहे हैं। कई राज्य कृषि में उन्नत कार्य कर रहे हैं जो पूरे देश को खिला सकते हैं। यह और बात है कि बिहार का प्रदर्शन अच्छा नहीं है। कोई लड़का काम नहीं करे तो उसके बाप की पिटाई आप कितना कीजिएगा। मोतीपुर चीनी मिल बंद रहने से यहां के गन्ना उत्पादकों में निराशा का भाव है। बिहार में पैदावार की स्थिति 55 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर है जबकि राष्ट्रीय पैदावार 69 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर है। राष्ट्रीय रिकॉवरी 10.36 प्रतिशत है जिसमें बिहार का नौ प्रतिशत है। राज्य सरकार बिहार की चीनी मिलें नहीं खुलवाएगी तबतक विकास नहीं होगा। बिहार में यह सौभाग्य कब आएगा।

जिलों में खुलेगी गुड़ प्रशिक्षण इकाई

मंत्री ने कहा कि किसान गुड़ उत्पादन का प्रशिक्षण लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। मात्र ढाई लाख की लागत में गुड़ उत्पादन की मशीन लगाई जा सकती है। किसानों के प्रशिक्षण के लिए एक करोड़ सोलह लाख रुपए दिए गए है। प्रत्येक जिले में गुड़ प्रशिक्षण केंद्र की छोटी इकाई खोली जाएगी जिससे किसानों को प्रशिक्षण लेने में सुविधा हो। विभाग जिला कृषि योजना सहित ग्राम सिंचाई योजना बनाएगा। 30 सितम्बर तक सभी जिलों की सिंचाई योजना बन जाएगी जिससे हर खेत को पानी मिलेगा और किसान खुशहाल होंगे। कृषि योजना की साढ़े पंद्रह सौ हजार करोड़ की राशि 38 सौ हजार करोड़ कर दी गई है। कृषि की 89 परियोजनाएं लंबित हैं।

गन्ना उत्पादन पर जोर

परिचर्चा में वैज्ञानिकों ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत किस्मों की बोआई की विधि, पोषक तत्व प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार, पोषक कीट, बीमारी प्रबंधन तथा उत्तम गुड़ उत्पादन जैसे विषयो पर जानकारी दी। अध्यक्षता कृषि शोध एंव शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने की। लखनऊ गन्ना अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को डॉ. जीत सिंह संधु, डॉ. वीपी भक्त, डॉ. एके साह, डॉ. एस सिंह, डॉ. एसआई अनवर, डॉ. आरडी सिंह, डॉ. वीपी जायसवाल, डॉ. अरुण बैठा के अलावा पारू विधायक अशोक सिंह, पिपरा विधायक श्यामबाबु यादव, भाजपा नेता अरुण सिंह, जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, तेजनारायण शर्मा ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में किसानों के बीच कीट का वितरण किया गया। परिचर्चा में करीब एक हजार किसानों ने भाग लिया। इससे पूर्व मंत्री ने कृषक प्रशिक्षण भवन का शिलान्यास भी किया।

केंद्रीय मंत्री आज करेंगे समीक्षा

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह आज रविवार को जिले के दौरा पर आएंगे। परिसदन में विभागीय समीक्षा करने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। भाजपा मीडिया प्रभारी बालकृष्ण गिरिधारी ने बताया कि रविवार को शाम में परिसदन में आएंगे। देवदुर्लभ भाजपा कार्यकर्ता मंच के संयोजक देवांशु किशोर ने कहा कि जिले में प्रवेश करने के साथ युवाओं की टोली उनकी आगवानी करेगी। श्री सिंह सोमवार को मधुबनी के लिए रवाना होंगे।

दैनिक भास्कर

मुजफ्फरपुर आसपास

मिल बंद होने से किसानों की हालत खराब : राधामोहन

- मोतीपुर के भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में परिचर्चा का आयोजन
- कृषि मंत्री ने राज्य सरकार पर लगाया राशि खर्च नहीं करने का आरोप

भास्कर न्यूज | मोतीपुर

कार्यक्रम में कृषि मंत्री को सम्मानित करते डॉ एडी पाठक।

मोतीपुर स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र में शनिवार को कृषक परिचर्चा का आयोजन हुआ। परिचर्चा का उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने किया। मंत्री ने कहा कि मोतीपुर चीनी उत्पादन के लिए पूरे देश में जाना जाता था, लेकिन अब चीनी मिल बंद होने के कारण किसानों की हालत खराब हो गई है। चीनी मिल बंद होने से मुजफ्फरपुर ही नहीं बल्कि आसपास के कई जिलों के किसान प्रभावित हुए हैं। किसानों की माली हालत खराब हुई है। गन्ना की खेती पर संकट आ गया है। बिहार सरकार पर केंद्र सरकार द्वारा किसानों की बेहतरी के लिए दी गई राशि खर्च नहीं करने का आरोप लगाया।

कहा कि राज्य सरकार की कमजोर इच्छा शक्ति के कारण बिहार के किसानों का हाल बदहाल है। मंत्री ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में गुड़ बनाने के केंद्र का उद्घाटन, किसानों को प्रशिक्षण दिए जाने के लिए बनने वाले भवन का शिलान्यास भी किया। पत्रिका गन्ना उत्पादन तकनीक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में किसानों को गन्ना, लीची, फल, सब्जी, आलू उत्पादन के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी गई। मौके पर कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में किसानों को उत्पादित गन्ना, आलू, आंवला, नींबू पौधा, गुड़ बनाने के तरीके, गन्ना, केला, मछली पालन, मखाना उत्पादन की तकनीक की जानकारी दी गई।

भारतीय गन्ना अनुसंधान लखनऊ के निदेशक डॉ एडी पाठक ने इस अवसर पर सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कृषक परिचर्चा में एक हजार से भी ज्यादा किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि शोध व शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय गन्ना प्रजनन संस्थान के महानिदेशक डॉ त्रिलोचन महापात्र ने किया। सह अध्यक्षता उपमहानिदेशक डॉ जीत सिंह संघू ने की।

कार्यक्रम को डॉ बीपी भट्ट, गन्ना शोध केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक डॉ एके साह, डॅ एसएन सिंह, डॉ एके सिंह, डॉ एसआई अनवर, डॉ आरडी सिंह, डॉ वीपी जायसवाल, डॉ अरुण बैठा, आशुतोष मल्ल, आर के द्विवेदी, बीडी सिंह ने भी संबोधित किया। मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रवींद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह, पारू के विधायक अशोक कुमार सिंह, पिपरा के विधायक श्यामबाबू राय, भाजपा नेता डॉ अरुण कुमार सिंह, वार्ड पार्षद केदार ओझा, भारत भूषण, विनोद राय, श्री सिंह, शंभू मोहन प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष तेजनारायण शर्मा, रंजीत तिवारी, उपेंद्र पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।